15/10/2011; Issue 007; ` 2.

पं ग वा ड़ी मा सि क प त्रि का

तुबारि

बोउए प्यार - कथा संग्रह, प्रारंभिक पंगवाड़ी व्याकरणे किताब जल्द एणे बाड़ि असी

तुबारि संपादकीय टीम

♦अस इ उम्मिद करुं लगो से कि एण बाड़े दिन अन्तर सुआ मेहणु इस कम अन्तर सहयोग कते।

♦इस तुबारि मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगि घाटि अन्तर पढ़ूं जे इ पत्रिका शुरु किओ सि।

♦तुबारि यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

♦तुबारि पत्रिका कोइ मेहणु, जनजाति, त संस्कृति गल्ति कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोइ ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।

♦छपाणे पेह्ले सोभ आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेहणु हरालो असे। इ त खुलि बोक असि कि पेह्लि बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलति बि भुन्ति। अगर कोइ लिखणे गलति असि त असि जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

♦आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेहणु के मदद ना मिएल त तुबारि पत्रिका कदि बि बंद भुई सकति।

♦कोइ चिज छपां सि या नेई छपां जे तुबारि संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

♦अस सोभि पांगि मेहणु जे हात जोड़ कई निवेदन कते कि, तुस बि कोइ अछा अर्टिक्ल, पुराणि या नौइं कथा, कहावत, कविता, त नौवे घीत (पागवाड़ी अन्तर) लिख कइ छपां जे हेंन्नदे दिए।

♦अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार राखे ठेके भैड़ हरिरामे दुकान अन्तर तुबारि ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असि।

9418431531
9418429574
9418329200
9418411199
9418411599

तुबारि संपादकीय टीमे कनारा सोबि तुबारि पढ़ं बाड़ि जे फुलियाठि मेले त दिवाड़ी के बधे!

सचाई

नुरपूरे राजा अमरेंद्र सिंह यक लिंग सुआ बिमार भोई गा। त डाक्टरे तेस जे बोलु यक साल पूरा आराम करीं दे। राजे दिल घटि गा तेसे मन से मरुं लगो सा। त तेनी सोब मंत्री त होरे दरबारि भिए। त तेनि यक सवाल पुछा "तुस सोब में बारे कि सोचते? अउं बढ़िआ राजा असा या खराप राजा असा"? डरीं! मोउ जे सचाई बोलिण दे। अगर तुस सचाई बोलियेल त अउं तुसि सोबी जे यक-यक खास रत्न देन्ता।

सोब मंत्री त दरबारी एई कइ, " महाराज, तुस दुनिया अन्तर सोबी केआं बढ़िआ राजा असे। तुं राज अन्तर हर मेहणु खुश असे" बगैरा-बगैरा बोलुण लगे। पर मंत्री मान सिंह चुप-चाप बुठो थिआ। तेन , कुछ ना बोलु। राजा, तेस हेर कइ पुछु "मन्त्री मानसिंह, तु किस चुप-चप असा। तउ कि में बारे कुछ नेई बोलुण न"? मानसिंह बोता "यक रत्न जे मोउ सचाई सौदा करण पसन्द नेई। तउं, राजे बोलु "ठीक असी! अउं तेन्दे कुछ ना देन्ता, सचाई बोलिण दे"? तउं मंत्री मान सिंह बोलु "महाराज! सचाई शुणुं सुक्तु नेई। सचाई कोड़ी भुन्ति। तउं राजा, बोता, "मोउ अपु बारे सचाई शुणु जरुरी असी। डरीं! बस् मोउ जे सचाई बोलिण दे"। तउं मंत्री मान सिंह बोलु "महाराज, तुस बि यक मेहणु भिन्थ।, जे कमजोरी होरे मेहणु अन्तर भुन्ति सेईए कमजोरी तुसि अन्तर बि असी। तूं गलति बोलि प्रजा आज सुआ दुखी भोई गो असी। तुसि त्याहर त मेला बणाण जे सुआ रुपेई खर्च कीओ असे। त दोस्ति अराख पिआंण जे सुआ रुपेई खर्च कीओ असे। अब मेहणु अराख पी पी कइ बिमारी भुण लगो असी। अगर ई सोब रुपेई जमिंदारि काम, कारखाना त बथ बणां जे खर्च किओ भुन्तेथ त आज हें देश अन्तर सुआ सुहलियत भोई घेन्तिथ"। राजा अमरेंद्र सिंह ए शुण कइ धिक सोचु। पता तेनि सोब मंत्री जे यक-यक खास रत्न दिते। मंत्री मान सिंह कुछ ना मेउ। पर राजे से प्रधानमंत्री बणाई छड़ा।

दुई रोज पता, सोबि मंत्री वापस एइ कइ राजा जे बोलु "महाराज! तुसि जे इ रत्न केनि बेचो थिए? से तोप कइ मारण असा। ई सोब रत्न नकली भिन्थ"। त राजा अमरेन्द्र सिंह तेनि जे बोलु "मोउ पता सा। तुसि जीं में बारे नकली बोक लाई यिहांणि ए रत्न बि नकली असे।

मुहावरे त कहावत

- चुरीं चिरह्उ भूण - पिछे पिछे चलना/ जाना। किसीका गुलाम बनना
- अपुं चुल हगि भर, बगानि चुल जियाणु जुल - पराया/ बेगानि चीज को सम्भाल के इस्तेमाल करना चहिए।
- गीहे कुकिड़ दाल बराबर भुन्ति - घर के चिज चाहे जितनी भी अच्छी हो, फिर भी औरों के चीज अच्छा लगना।
- भोटे मखीर करुं - थोड़ा थोड़ा कर के सब खा जाना।
- पिठ एण - किसी पर बोझ होना (अउं कि तें पिठ ओसा ना।)
- गुले फिउड़ फोटाण - पेहले ही अपना हिस्सा ठीक करना। (मेईं तें गुले फिउड़ फोटाउ।)

मुहावरे त कहावत Cont...

- लिच जुं सिच देन्ति -छोटि मुंह बड़ि बात।
- टन भइ लेउड, खा कुतुरे जंघ - घर में कमाने वाले होते हुए भी दुसरों को काम करने के लिए बुलाना।
- लुंगते जऊ कूण लगे - जवानी में बुढ़ापा आ जाना। (जवान होकर भी काम न करना)
- डा डा न शुखांणु - आपस में मिल के न रहना।
- होरि चुल जिआणे जुल, अपु चुल सुने मुल - अपना घर अपना ही होता है।
- शीते बुढ़ी टान्क - बार बार अराम करना।
- न घाटि न बाधी - बेफिकर, बिना कोई चिन्ता में रेहना।
- लघां तूए पुजा गुए - भेजा कहाँ, पहुँचा कहाँ।
- घटी घेण - अभ्यस्त/ आदि होना।
- गद्दी न छई त न मुंछे - कोई फायदा न होना।

कुछ खास खबर

- हिमाचल प्रदेशे पूर्व मुख्यमन्त्री तथा केन्द्रीय लघु त मध्यम उद्योग मन्त्री राजा वीरभद्र सिंह सितम्बर मेहने पंगेई दौरा किआ। तस जुए पूर्व विधायक श्री. ठाकुर सिंह भरमौरि बि साते थिए।
- स्थानीय विधायक पं. तुलसी राम जी अक्तूबर मेहने पंगेई दौरा किआ त घाटि हाले बारे धिक खैर खबर नी।
- इस फेरि राज्य सरकार फुलियाठि मेले आयोजन करुं नेई लगो। त किलाड़े टज त होरे स्थानीय मेहणु मेले आयोजन करुं लगो असे।

रामु बथ पुठ यक शराबी जे .....

By Shamma Singh

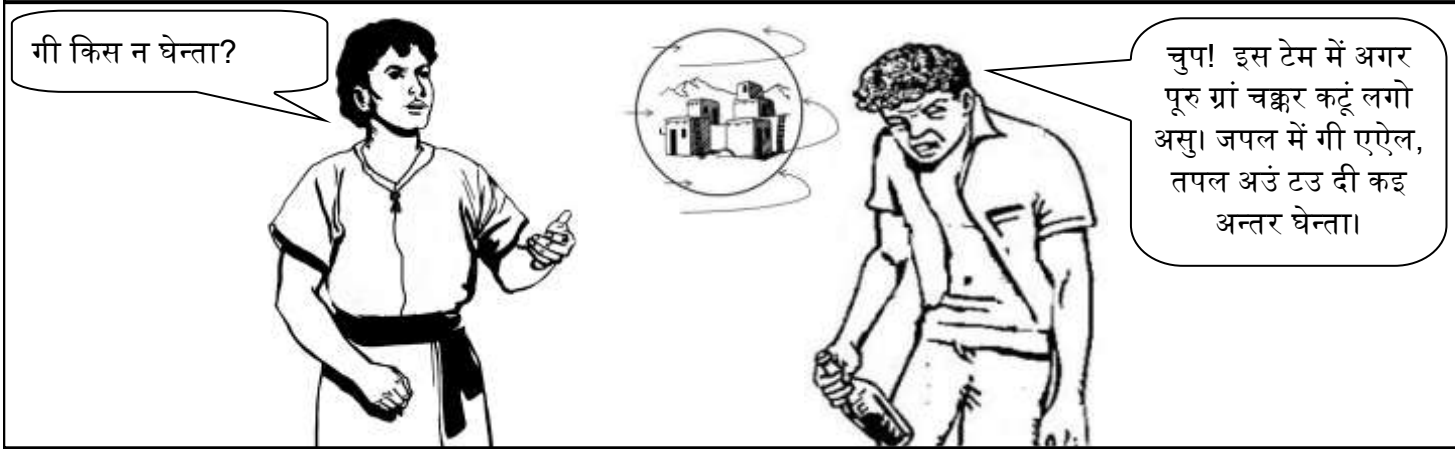

ADVERTISEMENT/ BEST WISHES FOR MARRIAGES, BIRTHDAYS, RETIREMENTS Etc. Please 9418429574

आपके शहर किलाड़ में

कशिश् लेडीज ब्युटी पार्लर्

आपकी असली निखार, कशिश् ब्युटी पार्लर् के साथ

चौकि बाजार, किलाड़ 9459643463, 9459076050

हेयर ड्रेसिंग, हेयर कॉलरिंग, थ्रेडिंग, वाक्सिंग, फेसियल, ब्लीच, मैनीक्योर, पेडीक्योर, ब्राइडाल मेक्-अप्।

सोबि कियां अब्बुल हेरण जे कशिश् ब्युटी पार्लर् जरुर अए !!!